मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 225, मुंबई, बुधवार, 20 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्रः बदलते बयान, अधर में सरकार...

पवार के मन में आखिर क्या है?

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजे आए 26 दिन और राष्ट्रपति शासन लगे एक हफ्ते हो चुके हैं। राज्य में सरकार गठन अधर में लटका है, गठबंधन उलझा हुआ है और फॉर्मूले पर भी पेच फंसा हुआ है। महाराष्ट्र में किसकी सरकार बनेगी, यह तस्वीर अभी तक साफ नहीं हो पा रही है। ऐसे में लोगों की निगाहें एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर टिकी हुई हैं, लेकिन वो जिस तरह से एक के बाद एक बयान दे रहे हैं उसने लोगों को और कंफ्यूजन में डाल रखा है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महाराष्ट्र में एनसीपी किंगमेकर

महाराष्ट्र की सियासत में किंगमेकर बनकर उभरे एनसीपी प्रमुख शरद पवार बार-बार बयान बदल रहे हैं। ऐसे में महाराष्ट्र की राजनीति में क्या कदम उठाए जाएंगे। इसका किसी को भी आभास नहीं हो रहा। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि बीजेपी-शिवसेना को स्पष्ट बहुमत मिला है, उन्हें सरकार बनाना चाहिए। हम नतीजे का सम्मान करते हुए विपक्ष में बैठेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार बनाने को लेकर शिवसेना से हमें कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। मेरे पास नंबर नहीं है, कैसे सरकार बनाएं।

महाराष्ट्र के समीकरणः बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव सत्ताधारी बीजेपी और शिवसेना का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने साथ मिलकर लड़ा था। बीजेपी 105 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, वहीं शिवसेना 56 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इसके बाद भी दोनों की राह अलग-अलग हो गई है। बीजेपी का साथ छोड़ एनसीपी-कांग्रेस से उम्मीद लगाई बैठी शिवसेना के लिए सरकार बनाने का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है। लगातार कांग्रेस-एनसीपी में बैठकों का दौर चल रहा है, जिसकी वजह से गठबंधन पर कोई फैसला नहीं हो रहा है।

इसरोः 13 अमेरिकी सैटेलाइटों के साथ काटोसैट-3 की 25 नवंबर को लॉन्चिंग

सैन्य सुरक्षा के लिए इस्तेमाल होगा

चेन्नई। इसरो चंद्रयान-2 की लॉन्चिंग के बाद अब नए मिशन के लिए तैयार है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से 25 नवंबर को सुबह 9.28 बजे एडवांस्ड रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट काटोसैट-3 लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ अमेरिका के 13 छोटे कमर्शियल उपग्रह भी भेजे जाएंगे। यह लॉन्चिंग पीएसएलवी-सी47 रॉकेट से की जाएगी। काटोसैट का उपयोग मौसम और सैन्य जानकारी जुटाने में किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

लोकसभा में पलूशन पर चर्चा

सलूशन से ज्यादा क्रेडिट पर बात, बीजेपी एमपी बोले, पहले सीएम खांसते थे, अब दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के मौसम में होने वाले पलूशन के सलूशन को लेकर लोकसभा में भी चर्चा हुई। हालांकि सलूशन से ज्यादा जोर चर्चा के दौरान क्रेडिट लेने पर ही रहा। चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि आखिर सुप्रीम कोर्ट दखल देती है तो इसका मतलब है कि सरकार अपने काम में चूक रही है। हालांकि चर्चा के दौरान बीजेपी, कांग्रेस और बीजेडी ने पलूशन के लिए पराली को जिम्मेदार मानने से इनकार किया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मास्क लगाकर बोलीं टीएमसी की सांसद...

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

एकतरफा प्रेमी ने किया 9वीं की छात्रा की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। पोयसर के जनिया कपाउंड से गायब 15 साल की लड़की की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, लड़की पोयसर के जनिया कंपाउंड में रहती थी। वह 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। उसके परिजन ने अक्टूबर में ही बेटी के लापता होने की शिकायत समता नगर पुलिस में दर्ज कराई थी। 3 अक्टूबर को लड़की की लाश अधजली हालत में तलासरी में मिला।

यह खबर समता नगर पुलिस को जैसी ही मिली, पुलिस ने लापता लड़की के परिजन अज्ञात लाश दिखाने तलासरी ले गई। मां ने बेटी की लाश देखकर उसको पहचान ली। इसके बाद पुलिस ने लड़की के मोबाइल से घटना की छानबीन की तो उसके घर से पास रहने वाले 24 साल के आरोपी पर पुलिस को शक हुआ। मगर, वह व्यक्ति फरार था। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर संदिग्ध आरोपी को 11 नंवबर को धर दबोचा। उसने पूछताछ के दौरान गुनाह कबूल कर लिया।

आरोपी ने बताया कि वह लड़की से प्यार करता था, लेकिन लड़की मना करती थी। किसी तरह से उसने 1 अक्टूबर की रात लड़की को अपने घर पर बहाने से बुलाया, जहां उसकी हत्या कर दी। लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसने लाश को बोरी में भरा और आधी रात को ही बाइक पर लाश बांधकर उसे तलासरी ले जाकर उसको जलाने का प्रयास किया। लाश को ठिकाने लगाने के बाद वह घर वापस लौट गया। सीनियर पीआई राजू कसबे ने बताया कि आरोपी को 25 नंवबर तक पुलिस हिरासत में कोर्ट ने भेज दिया है। घटना की जांच जारी है।

महाराष्ट्र के गावों की तरह अब शहरों में भी लड़ी जाएगी कुपोषण से जंग

मुंबई। ग्रामीण इलाकों की तरह जल्द ही महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में भी कुपोषण से लड़ने के लिए सेंटर की शुरूआत की जाएगी। जहां गंभीर रूप से कुपोषण के शिकार बच्चों (सैम) को न केवल पोषित आहार उपलब्ध कराया जाएगा, बल्कि नियमित रूप से उनकी मॉनीटरिंग भी होती रहेगी। महाराष्ट्र महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडीडी) से मिली जानकारी के अनुसार, सेंटर शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। उच्च अधिकारी की अनुमति मिलने के बाद इसकी शुरूआत की जाएगी।

आंकड़ों के अनुसार, देश में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के मामलों में 69 प्रतिशत मौतें कुपोषण के कारण होती हैं। ग्लोबल न्यूट्रिशन रिपोर्ट 2018 के अनुसार, कुपोषण से मुक्ति के मामलों में हम पड़ोसी देशों से भी पीछे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने 2022 तक देश को कुपोषण से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। आंकड़ों के अनुसार, राज्यभर में तकरीबन 85 हजार बच्चे गंभीर रूप से कुपोषण के शिकार हैं। इनमें से लगभग 8 हजार बच्चे मुंबई सहित राज्य के शहरी इलाकों से हैं। ऐसे में महाराष्ट्र में कुपोषण से जंग लड़ने के लिए 'विलेज चाइल्ड डिवेलपमेंट सेंटर' पर शुरू हुई 'एनर्जी डेंस न्यूट्रिशिएस फूड' (ईडीएनएफ) की सफलता के बाद डब्ल्यूसीडीडी ने इसकी शुरूआत अब शहरी इलाकों में करने का भी फैसला लिया है। डब्ल्यूसीडीडी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में गंभीर रूप से कुपोषण की समस्या से जूझने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी सेंटर पर ईडीएनएफ दिया जाता है। यह एक तरह का पेस्ट है, जिसमें सेंगदाना, ऑयल, शुगर विटामिंस, मिल्क पावडर और मिनरल का मिश्रण होता है। यह बच्चों को तब तक दिया जाता है, जब तक उनका वजन न बढ़ जाए।

मुंबई में हेल्थ के लिए काम करने वाली संस्था प्रजा फाउंडेशन की जेनिफर ने कहा कि यह बेहद ही प्रभावी कदम आने वाले दिनों में साबित हो सकता है। शहरी क्षेत्रों में काम करने के दौरान अक्सर हम देखते हैं कि बच्चे कुपोषण की समस्या से परेशान रहते हैं।

10 रुपये में भरपेट खाना और 5 हजार का बेरोजगारी भत्ता, 'शिराकां' की स्कीम से गायब

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता की लड़ाई में शिवसेना का 10 रुपये में भर पेट भोजन और कांग्रेस-एनसीपी का पांच हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता गायब हो गया है। बताया जा रहा है कि शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस (शिराकां) के बनाए न्यूनतम साझा कार्यक्रम में इन दोनों ही मुद्दों को दरकिनार कर दिया गया है, लेकिन सोमवार को एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने दिल्ली में यह बयान देकर सभी को चौंका दिया कि न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर कोई बात ही नहीं हुई है।

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव बीजेपी-शिवसेना ने गठबंधन कर लड़ा था, लेकिन दोनों ने अलग-अलग चुनाव घोषणा पत्र जारी किया था। शिवसेना के घोषणा पत्र में 10 रुपये में भर पेट भोजन का वादा किया था। चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हुए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने 10 रुपये में बेहतर क्वॉलिटी का भोजन देने का वादा किया था। शिवसेना का यह वादा संभावित 'शिराकां' सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम से गायब हो गया

है। इस बारे में पार्टी नेता पूछने पर कहते हैं कि अभी वे कुछ साफ नहीं है। तीनों दलों के नेताओं ने न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाकर पार्टी प्रमुखों को भेज दिया है। समय आने पर इसके बारे में जानकारी दी जाएगी, लेकिन उन्होंने इतना जरूर कहा कि नए गठबंधन में कुछ तो कुबार्नी देनी ही पड़ती है।

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव कांग्रेस-एनसीपी महाआघाडी ने मिलकर लड़ा था, लेकिन सभी सहयोगी दलों ने मिलकर चुनाव घोषणा पत्र तैयार किया था जिसमें बेरोजगार युवाओं को 5,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। यह मुद्दा भी शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस के गठबंधन की बलि चढ़ गया है। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि तीनों दलों के न्यूनतम साझा कार्यक्रम की बैठक में कांग्रेस और एनसीपी ने हर संभव इसे शामिल करने की कोशिश की, लेकिन शिवसेना सहमत नहीं हुई इसलिए हमें उसे बाहर निकालना पड़ा।

शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस के न्यूनतम साझा कार्यक्रम में किसानों की कर्जमाफी को पहली प्राथमिकता दी गई है। बैठक में शामिल एक नेता ने बताया कि हम तीनों दलों में कई सारे मुद्दों पर मत भिन्नता जरूरी है, लेकिन किसानों के संपूर्ण कर्जमाफी में कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने बताया कि तीनों दलों के नेता इस बात पर सहमत थे कि सबसे पहले किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ किया जाए। उसके बाद ही दूसरा कुछ होगा।

हादसों पर ब्रेकः मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कम होगी रफ्तार

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर सोमवार से वाहनों की रफ्तार कम हो जाएगी। एक्सप्रेस-वे पर लगातार बढ़ रही ऐक्सिडेंट की घटनाओं को कम करने के लिए सरकार ने वाहनों की रफ्तार काम करने का निर्णय लिया है। वाहनों की अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटे से घटाकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, नियम का उल्लंघन करने वाले चालकों से 1,000 रुपये जुमार्ना वसूलने की तैयारी यातायात पुलिस ने कर ली है। अपर पुलिस महासंचालक विनय करगांवकर के अनुसार, हाइवे पर 30 प्रतिशत से अधिक हादसे ओवर स्पीडिंग की वजह से होते हैं। इसीलिए सड़कों की भौगोलिक परिस्थिति, घाट के मोड़ और समतल रास्तों और उनके उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखकर वाहनों की स्पीड निर्धारित की गई है।

एक्सप्रेस-वे पर चालक समेत 8 सीटों वाले वाहनों की अधिकतर रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा से घटाकर 100 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। घाट परिसर में इन वाहनों की रफ्तार 50 किमी निर्धारित की गई है। 9 सीटों से अधिक के वाहनों की अधिकतर स्पीड 100 किमी प्रति घंटा से घटा कर 80 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। घाट परिसर में इन वाहनों की अधिकतर रफ्तार 40 किमी निर्धारित की गई है। ट्रक समेत अन्य वाहनों की अधिकतर रफ्तार 80 किमी निर्धारित की गई है।

हाइवे पर नए नियम को कड़ाई से लागू करने की तैयारी यातायात पुलिस ने कर ली है। अपर पुलिस महासंचालक (यातायात) विजय पाटील ने कहा कि 18 नवंबर से हाइवे पर वाहनों की अधिकतर स्पीड 100 किमी होगी। स्पीड गन और सीसीटीवी कैमरे की मदद से वाहनों पर नजर रखी जाएगी। नियम तोड़ने वाले चालक से 1,000 रुपये जुमार्ना वसूला जाएगा।

आंकड़ों के मुताबिक, 2018 में जनवरी से सितंबर के बीच मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर 105 हादसे हुए। इन हादसों में 58 लोगों की मौत हुई, जबकि 113 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए। 2019 में जनवरी से सितंबर के बीच 124 हादसे हुए हैं। इन हादसों में 80 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, जबकि 108 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे से रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही होती है।

मुंबईः शिवसैनिकों ने मेट्रो के खिलाफ किया प्रदर्शन, तीन गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शिवसेना के कार्यकताओं ने सोमवार को यहां मेट्रो- 3 परियोजना के निर्माण कार्य के खिलाफ प्रदर्शन किया और एक ठेकेदार के वाहन को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने बताया कि दक्षिण मुम्बई के ठाकुरद्वार पर प्रदर्शन के दौरान उत्पात मचाने और अन्य आरोपों को लेकर शिवसेना के तीन कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया। ये लोग 33.5 किलोमीटर लंबे भूमिगत कॉरीडोर के निर्माण कार्य के चलते लोगों को हो रही परेशानियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रणय अशोक ने कहा, हमने शिवसेना के तीन कार्यकताओं को धाराओं- 146 (दंगा फैलाना), 336 (दूसरों की जिंदगी खतरे में डालना) और 337 (किसी अन्य की जिंदगी खतरे में डालकर उसे चोट पहुंचाना) समेत आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

सड़क प्रॉजेक्ट के नाम पर साढ़े 3 करोड़ की ठगी

मुंबई। सड़क प्रॉजेक्ट के नाम पर जुहू के एक व्यापारी से 3.65 करोड़ रुपये की ठगी के आरोप में बांद्रा क्राइम ब्रांच ने तरविंद सिंह सबरवाल नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीनियर इंस्पेक्टर महेश देसाई की टीम इस केस की पिछले कई सप्ताह से जांच कर रही थी। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, तरविंद की शिकायतकर्ता से मुंबई के किसी गुरुदारे में कुछ महीने पहले मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों की मुंबई में कई और जगह भी मीटिंग्स हुईं। उसी दौरान आरोपी ने दावा किया कि उसने मुंबई में अलग-अलग जगह कई लाख रुपये का डोनेशन दिया हुआ है। उसने यह भी बताया कि उसकी सरकार में टॉप स्तर पर कई अधिकारियों से दोस्ती है। शिकायतकर्ता उससे बहुत प्रभावित हो गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, बुधवार
20 नवंबर , 2019

शरद पवार के बयान से सकते में शिवसेना, बीजेपी से गठबंधन की उठी मांग

मुंबई। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के बयान ने शिवसेना खेमे की चिंता बढ़ा दी है। पवार ने सोमवार को मुलाकात के बाद कहा था कि उन्होंने न तो शिवसेना और न ही सरकार बनाने के बारे में सोनिया गांधी से बात की। पवार के इस बयान से शिवसेना के न केवल नेता, बल्कि कार्यकर्ता भी भ्रम की स्थिति में पहुंच गए हैं। बदली परिस्थिति में शिवसेना के नेता पर्दे के पीछे से कहने लगे हैं कि पार्टी के लिए यह अच्छा होगा कि वह पवार की बीजेपी के साथ दोबारा सरकार बनाए।

शिवसेना के एक विधायक ने कहा कि वह शरद पवार का बयान सुनकर 'सकते' में है। शिवसेना विधायक ने कहा, 'हमारी पार्टी को इंतजार करना चाहिए और एनसीपी सुप्रीमो के साथ जाने से पहले 10 बार विचार करना चाहिए।' उधर, शिवसेना के एक पदाधिकारी ने सवाल किया, 'यह किस तरह की राजनीति है? शिवसेना जैसी

पार्टी जो 80 फीसदी सामाजिक सेवा और 20 प्रतिशत राजनीति करती है, के लिए यह बेहतर होगा कि वह एनसीपी-कांग्रेस से दूर रहे और बीजेपी के साथ हाथ मिला ले।'

उधर, इस पूरे मुद्दे को लेकर रोज ट्वीट करने वाले शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, 'अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं...जय महाराष्ट्र।' उनका ट्वीट इस बात के संकेत दे रहा है कि शिवसेना सरकार बनाने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है। इससे पहले राउत ने शरद पवार के बयान पर कहा था, 'सरकार बनाने की जिम्मेदारी शिवसेना की नहीं थी। यह जिनकी जिम्मेदारी थी, वे भाग निकले हैं। लेकिन मुझे भरोसा है कि हम जल्दी ही सरकार बना लेंगे।' अब तक सरकार बनाने का दावा करने वाले संजय राउत का अब जिम्मेदारी की बात कहना बताता है कि कहीं न कहीं कुछ पेच जरूर फंस गया है।

बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार ने शिवसेना के साथ किसी मिनिमम कॉमन प्रोग्राम पर सहमति से ही इनकार कर दिया था। यही नहीं उन्होंने सरकार गठन को लेकर शिवसेना को किसी तरह का भरोसा दिए जाने के सवाल पर भी चुप्पी साध ली थी। बाद में शरद पवार ने ट्वीट कर कहा, 'नई दिल्ली में आज कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधीजी से भेंट कर महाराष्ट्र की राजनीतिक परिस्थितियों के बारे में चर्चा की। आनेवाले समय में महाराष्ट्र के राजनितिक गतीविधियों पर हमारी नजर रहेगी। महागठबंधन के मित्र पक्षों को विश्वास में लेकर हम निर्णय करेंगे।'

दक्षिण मुंबई से एक शिवसेना के वरिष्ठ कार्यकर्ता ने कहा कि पार्टी को कांग्रेस-एनसीपी से गठबंधन नहीं करना चाहिए और अगर बीजेपी के साथ उसके रिश्ते सहज नहीं है तो उसे अकेले चलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर बीजेपी नहीं तो शिवसेना को बिना अपने अजेंड का त्याग किए अकेले जाना चाहिए। पार्टी अगर अपने समान विचारधारा वाली पार्टी के साथ नहीं जाना चाहती है तो उसे अकेले लड़ाई लड़नी चाहिए।'

इस बीच शिवसेना के सूत्रों ने कहा है कि पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने संजय राउत से कहा है कि पर्दे के पीछे चल रही राजनीति पर वह नजर रखें। राउत ने सोमवार देर शाम पवार से मुलाकात की थी। राउत ने मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने पवार के साथ राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा नहीं की। हमने किसानों के मुद्दे पर बात की।' उन्होंने दोहराया कि शिवसेना के नेतृत्व में सरकार बनेगी और राज्य में राष्ट्रपति शासन के लिए बीजेपी जिम्मेदार है।

पीएमसी बैंक घोटाला: बीजेपी नेता तारा सिंह के बेटे की संपत्ति होगी जब्त!

मुंबई। पीएमसी बैंक घोटाले में बीजेपी नेता तारा सिंह के बेटे रजनीत सिंह को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम अब रजनीत सिंह की संपत्ति की विस्तार से जानकारी निकाल रही है। संभावना है कि इस संपत्ति को जब्त किया जाएगा।

रजनीत सिंह के सायन-कोलीवाडा घर में ईओडब्ल्यू की टीम ने रविवार को छापा मारा था। वहां से कुछ कागजात भी जब्त किए गए हैं। इनकी पड़ताल की जा रही है। इस केस की जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, रजनीत सिंह पिछले दो दशक से पीएमसी बैंक के निदेशक मंडल में थे। वह बैंक की लोन रिकवरी कमिटी के सदस्य भी थे। उन्हें एचडीआईएल के खराब लोन स्टेटस के बारे में पता था। बावजूद इसके उन्होंने एचडीआईएल से लोन की रिकवरी के लिए कुछ नहीं किया।

रजनीत सिंह के सभी बैंक खातों की भी जांच की जा रही

है। उनके खातों को भी फ्रीज किया जाएगा, ताकि किसी भी तरह का कोई बैंक ट्रांजैक्शन न हो सके। पिछले तीन दिन में जांच टीम ने उनसे 30 घंटे से ज्यादा पूछताछ की है।-

बीएमसी में सस्पेंस हुआ खत्म, शिवसेना की किशोरी पेडणेकर बनेंगी महापौर

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के महापौर के नए नाम को लेकर लंबे समय से चला आ रहा असमंजस सोमवार को खत्म हो गया। किशोरी पेडणेकर को अगला महापौर बनाया जाएगा। सोमवार को इस संबंध में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास स्थान मातोश्री पर बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में वरिष्ठ नगरसेविका किशोरी पेडणेकर का नाम महापौर के लिए तय हुआ। बता दें कि पेडणेकर बीएमसी की 7वीं महिला महापौर हैं। इनमें से 5 महिला महापौर शिवसेना ने दिए हैं।

कई दिनों से स्थायी समिति अध्यक्ष यशवंत जाधव का नाम महापौर पद के लिए लगभग तय माना जा रहा था। बेहद प्रभावी पद पर आसीन यशवंत नई जिम्मेदारी को लेकर खासे उत्सुक नहीं थे। जाधव की पत्नी यामिनी हाल ही में विधायक बनी हैं। ऐसे में, एक ही परिवार में कई पद देने का विरोध जोर पकड़ने लगा था। इसके बाद किशोरी पेडणेकर को मौका मिला। शिक्षण समिति के पूर्व अध्यक्ष मंगेश सातमकर भी रेस में शामिल हुए थे। सोमवार को स्थायी समिति की बैठक में भी जाधव ने हिस्सा नहीं लिया। उसी दौरान वे मातोश्री में महापौर के नाम को लेकर हो रही चर्चा में शामिल थे। उप-महापौर पद पर मालाड से चुनाव जीतने वाले ऐडवोकेट सुहास वाडकर को मौका मिला है। वाडकर पहली बार नगरसेवक चुने गए हैं। उप-महापौर पद के नामांकन के बाद वाडकर ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का आभार व्यक्त करते हुए आपस में मिलकर आगे कामकाज करने का विश्वास जताया है। महापौर का पद मुंबई शहर की झोली में आने के बाद उप-महापौर पश्चिमी उपनगर को देकर शहर और उपनगर के बीच भी संतुलन स्थापित किया गया है।

नई टेक्नॉलजी से पश्चिम रेलवे के बचे 70 करोड़ रुपये और घटा कार्बन उत्सर्जन

मुंबई। पिछले पांच साल में पश्चिम रेलवे ने 70 करोड़ रुपये बचाए हैं और कार्बन उत्सर्जन 37,055 मीट्रिक टन प्रति कैपिटल कम किया है। ये सब एक नई टेक्नॉलजी के इस्तेमाल के कारण। पश्चिम रेलवे ने 2015 में एंड ऑन जनरेशन रेक्स को हेडॉन जनरेशन सिस्टम में बदलने का फैसला किया। इसके लिए पश्चिम रेलवे ने 60 स्पेशल डब्ल्यूएपी- 7 लोकोमोटिव लगाए जो पैंटॉग्राफ से कोच में बिजली पहुंचाते हैं।

बता दें कि एंड ऑन जनरेशन रेक्स में डीजल जनरेशन सेट होते हैं जिनसे बिजली के सहारे बिजली, पंखे और एसी चलते हैं जबकि एचओजी में ओवरहेड लाइन से ही कोच में बिजली जाती है। इस वित्तीय वर्ष

में पश्चिम रेलवे ने 26 रेकों में इलेक्ट्रिक सर्किट बदले हैं। एचओजी रेक के इस्तेमाल से डीजी सेट की जरूरत नहीं पड़ती जिससे वायु और ध्वनि प्रदूषण कम होता है। हाई स्पीड डीजल खपत भी कम होती है। बता दें कि सबसे पहले पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिविजन में नवंबर 2015 में एचओजी में शिफ्ट का काम शुरू हुआ था। तब मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की पहली रेक बदली गई थी। उसके बाद से एचओजी रेक में बदलने का काम तेजी से किया गया। इस साल सारी रेक्स को कन्वर्ट कराने की दिशा में काफी मेहनत की गई। नतीजतन अक्टूबर 2019 तक 18.15 करोड़ रुपये बचाए जा चुके हैं 2015 से अब तक 70 करोड़ रुपये बचाए जा चुके हैं। पावर कार में लगे ऑपरेटिंग डीजी सेट्स से बनने वाली ऊर्जा के बदले ओवरहेड तारों से ऊर्जा उत्पादन करने की वजह से पैसों की बचत हो सकी है।

मुख्यमंत्री नहीं, तो इलाज को पैसे भी नहीं

मुंबई। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद मुख्यमंत्री वैद्यकीय चिकित्सा निधि के लिए मरीजों को दर-दर भटकना पड़ रहा है, क्योंकि मंत्रालय में छठवें फ्लोर पर स्थित मुख्यमंत्री सहायता निधि कार्यालय को बंद कर दिया गया है। मामला सुर्खियों में आने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने 15 नवंबर को एक शासनादेश जारी कर मरीजों को सहायता निधि उपलब्ध कराने के लिए तीन अधिकारियों की नियुक्ति की। सहायता निधि उपलब्ध कराने के लिए जिनके नाम दिए गए हैं, उनमें सुभाष नागप को सहायक संचालक निधि व लेखा, मिलिंद काबाडी को सहायक सह सचिव लेखा और दीपक खानविलकर को सहायक लेखा अधिकारी बनाया गया है। हालांकि ये अधिकारी कहां हैं, इसकी कोई जानकारी देने को तैयार नहीं है। इस कारण 18 नवंबर तक सहायता कक्ष बंद था। कार्यालय के बाहर सुरक्षा में पुलिस की तैनाती कर दी गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चिंता की बात नहीं

श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में गोटाबाया राजपक्षे के निर्वाचन को भारत में चिंता की दृष्टि से देखा जा रहा है। यह बात सही है कि महेंद्र राजपक्षे के काल में तमिल टाइगर (लिट्टे) के खिलाफ जो सैन्य अभियान चला, उसमें रक्षा सचिव के नाते गोटाबाया की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। टाइगरों के साथ-साथ संदेह की दृष्टि से जिस ढंग से आम तमिलों को कुचला गया, उनकी बर्बर हत्याएं हुई वह दुनिया के सामने है। इस नाते तमिलों के अंदर आशंका उठना स्वाभाविक है। हालांकि इस बीच श्रीलंका भी धीरे-धीरे उस भयावह दौर से बाहर निकल आया है। भारत भी यथार्थ को स्वीकार कर तमिल क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। लेकिन भारत में चिंता का बड़ा कारण यह है कि जिस तरह महेंद्र राजपक्षे के कार्यकाल के अंतिम दौर में श्रीलंका चीन के पाले में चला गया था, वहां भारत विरोधी भावनाएं भड़काई गई थीं वह दौर फिर से वापस ना आ जाए। यह चिंता बिल्कुल निराधार भी नहीं है। वैसे भारत ने पिछले पांच वर्षों में श्रीलंका के साथ अपने संबंध काफी मजबूत किए हैं। महेंद्र राजपक्षे से भी भारत ने लगातार संवाद बनाए रखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीन श्रीलंका यात्राओं के दौरान महेंद्र राजपक्षे से विपक्ष के नेता के रूप में मुलाकात की। महेंद्र राजपक्षे भी इस बीच भारत की यात्रा पर आए। राजनयिक हलकों में आम धारणा है कि अब उनके अंदर भारत विरोधी भावना नहीं है। श्रीलंका जिस तरह चीन के कर्ज जाल में फंसा उससे महेंद्र राजपक्षे को भी सीख मिली। श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह चीन के पास गिरवी है। इस कारण जनमानस भी वहां चीन के पक्ष में नहीं है। भारत ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में अवश्य भूमिका निभाई थी, लेकिन इस बार चुनाव से भारत ने परोक्ष रूप से भी अपने को दूर रखा है। इसलिए भारत को लेकर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति राजपक्षे के अंदर विरोध भाव नहीं होना चाहिए। भारत ने पिछले सालों में अपनी नीतियों से आम श्रीलंकाई के अंदर यह भाव मजबूत किया है कि हम उनके सुख-दुख के साथी हैं। पिछले अप्रैल माह में हुए आतंकवादी हमले में भारत पूरी तरह श्रीलंका के साथ खड़ा रहा। शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ घंटों के लिए श्रीलंका की अनौपचारिक यात्रा कर श्रीलंका के साथ एकजुटता दिखाई थी। भविष्य की नीति के बारे में तत्काल निश्चयात्मक रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता मगर उम्मीद की जा सकती है गोटाबाया के कार्यकाल में भी भारत-श्रीलंका के संबंध बेहतर रहेंगे।

बेवजह संशय क्यों?

भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास में ऐसे कम ही मौके रहे हैं, जब दोनों देशों ने युद्ध और तनाव की भाषा को दरकिनार करते हुए सहयोग, सौहार्द और प्रेम की बोली को प्राथमिकता दी हो। लंबे अरसे के बाद दोनों देशों ने आपसी सहयोग और सौहार्द की नई मिसाल कायम करते हुए करतारपुर साहिब गलियारे को मूर्त रूप दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर दिए अपने वक्तव्य में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का भारत की इच्छाओं को समझने और करतारपुर गलियारे को अमलीजामा पहनाने के लिए आभार जताया। साथ ही, उन्होंने 500 से अधिक संख्या वाले पहले भारतीय जत्थे को करतारपुर रवाना किया।इस पहले जत्थे में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू, सनी देओल समेत कई गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। पाकिस्तान में जत्थे का स्वागत करते हुए इमरान खान ने कहा कि उन्हें सिख समुदाय के लोगों को करतारपुर में देखकर बहुत खुशी हुई। कहा कि हम सबके दिलों में भगवान रहते हैं, जितने भी मसीहा आए और गए सभी ने शांति और न्याय का संदेश दिया।

यही दो बातें हैं, जो हमें जानवरों के साम्राज्य से अलग करती हैं। गुरु नानक देव को उनकी 550वीं सालगिरह पर याद करते हुए इमरान खान ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाएं लोगों को आपस में मिलाने वाली थीं, घृणा फैलाने वाली नहीं। गौरतलब है कि पिछले कई दशकों से भारतीय पंजाब के सिख समुदाय के लोग इस गलियारे के निर्माण की मांग कर रहे थे ताकि गुरु द्वारा करतारपुर साहिब, जहां सिख धर्म के पहले गुरु गुरु नानक देव ने जीवन के अंतिम 18 वर्ष गुजारे थे, जाकर मत्था टेक सकें। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1999 में अपनी ऐतिहासिक लाहौर यात्रा के दौरान तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से इस मुद्दे पर बात की थी। जनरल परवेज मुशर्रफ के शासनकाल में पाकिस्तान ने पहली बार इस परियोजना को पूरा करने की हरी झंडी तो दी लेकिन कतिपय कारणों से इस संदर्भ में कोई द्विपक्षीय समझौता न हो सका। इसके बाद 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पजांब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को इस मामले पर पाकिस्तान से बात करने का आश्वासन दिया मगर इस मुद्दे पर दोनों देश कोई सकारात्मक कदम न उठा सके। पिछले वर्ष पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में वहां के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने नवजोत सिंह सिद्धू को इस बात के संकेत दिए थे कि पाकिस्तान सिखों के

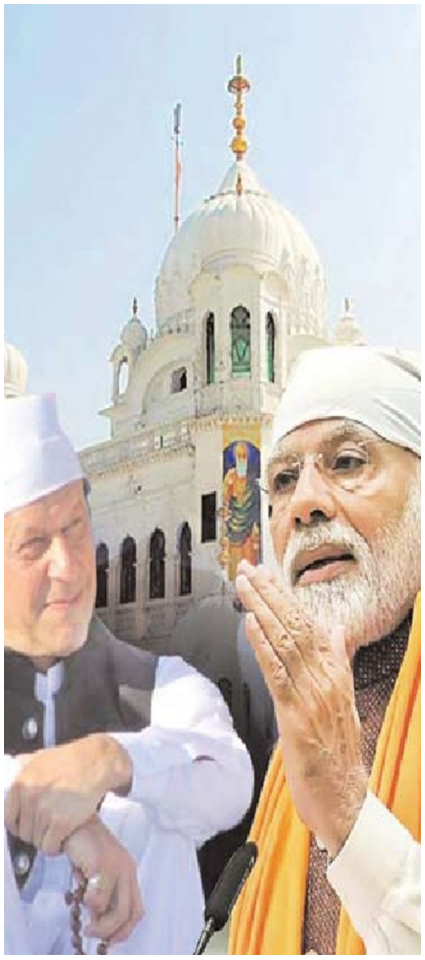

लिए करतारपुर के दरवाजे खोलने के लिए तैयार है, लेकिन जब भारत ने आधिकारिक स्तर पर इस बाबत जानकारी प्राप्त करनी चाही तो पाकिस्तान की तरफ से गोल-मोल जवाब देकर मामले को टालने की कोशिश की गई।

इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली संघीय कैबिनेट ने 22 नवम्बर, 2018 को प्रस्ताव पास कर श्री गुरु नानक देव की 550वीं वर्षगांठ मनाने और डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक करतारपुर गलियारे के निर्माण का निर्णय लिया। साथ ही, भारत ने पाकिस्तान से सिख समुदाय की भावनाओं को समझते हुए गलियारे के दूसरे हिस्से को पूरा करने की गुजारिश की। आशा के विपरीत पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उसके बाद दोनों देशों के अधिकारियों ने कई बैठकों के बाद समझौते का मसौदा तैयार किया जिस पर पिछले महीने की 24 तारीख को दस्तखत हुए। समझौते के अनुसार पाकिस्तान ने भारतीय तीर्थयात्रियों को बिना वीजा के करतारपुर गलियारे के माध्यम से गुरु द्वारा करतारपुर साहिब आने की इजाजत दी। कोई भी भारतीय, चाहे किसी भी धर्म का हो, इस सुविधा का लाभ लेने के लिए भारत के गृह मंत्रालय द्वारा जारी वेबसाइट पर अपना नाम दर्ज करा सकता है, जिसे यात्रा से दस दिन पहले पाकिस्तान के साथ साझा किया जाएगा। पाकिस्तान इस बाबत यात्रा से चार दिन पहले जिन नामों पर सहमति देगा, वो अकेले या किसी जत्थे में शामिल होकर करतारपुर जा सकते हैं। गलियारा सुबह से लेकर शाम तक सप्ताह के सातों दिन खुला रहेगा और तीर्थयात्री गुरु द्वारा में मत्था टेकने के बाद उसी दिन वापस भारत लौट आएंगे। सार्वजनिक अवकाश या विशेष परिस्थिति में पूर्व सूचना के आधार पर गलियारे को बंद भी किया जा सकता है। समझौते की शतरे के अनुसार भारतीय पासपोर्ट या इंडियन ओवरसीज सिटीजनिशप सर्टिफिकेट के बिना गलियारे का प्रयोग नहीं किया जा सकता, परंतु बीते एक नवम्बर को इमरान ने सिखों को सामान्य पहचान पत्र पर भी यह सुविधा देने का ऐलान कर दुविधा पैदा कर दी। हालांकि पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने बाद में ऐसी किसी छूट से इनकार कर दिया। किसी आश्चय से कम नहीं कि समझौते की प्रक्रिया पुलवामा आतंकी हमले, भारतीय सेना की पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में आतंकी कैम्प पर कार्रवाई, दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच खुले आकाश में लड़ाई, भारतीय संसद द्वारा जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दरजा समाप्त करके जम्मू-कश्मीर और लद्दख को संघ-प्रशासित क्षेत्र बनाने जैसे झंझावतों के बाद भी नहीं रुकी। लेकिन रणनीतिक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कुछ विश्लेषक इसमें पाकिस्तानी षड्यंत्र के बीज तलाश रहे हैं। उनका मानना है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां इसके माध्यम से भारतीय पंजाब में अलगाववाद को मजबूत कर सकती हैं। पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए इस आशंका से इनकार तो नहीं किया जा सकता, किंतु भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती विषमताओं और बदलती भू-राजनीतिक व भू-रणनीतिक हालात के आलोक में यह जरूर कह सकते हैं कि भारत किसी भी षड्यंत्र से निपटने को तैयार है। बस, पाकिस्तान करतारपुर गलियारे को द्विपक्षीय रिश्तों में उत्तोलक (लीवर) की तरह इस्तेमाल कर सकता है, और यदा-कदा इसे बंद करने की धमकी देकर दबाव डालने की राजनीति कर सकता है।

हंसना

हंसना कुछ ऊर्जा तुम्हारे अंतकेंद्र से परिधि पर ले आता है। तुमने कभी इस पर ध्यान दिया? जब तुम वास्तव में हंसते हो, तो उन थोड़े से क्षणों के लिए तुम एक गहन ध्यानपूर्ण अवस्था में होते हो। विचार प्रक्रिया रुक जाती है। हंसने के साथ-साथ विचार करना असंभव है। वे दोनों बातें बिल्कुल विपरीत हैं : या तो तुम हंस सकते हो, या विचार ही कर सकते हो। जहां तक मैं जानता हूं, नाचना और हंसना सर्वोत्तम स्वाभाविक व सुगम द्वार हैं। यदि सच में ही तुम नाचो, तो सोच-विचार रुक जाता है। तुम्हें इतना भी पता नहीं रहता कि कहां तुम्हारा शरीर समाप्त होता है, और अस्तित्व शुरू हो जाता है। और यदि तुम सच ही नाच रहे हो-उसे नियंत्रित नहीं कर रहे, बल्कि उसे स्वयं को और नियंत्रित कर लेने दे रहे हो, स्वयं को वशीभूत कर लेने दे रहे हो-यदि तुम नृत्य से वशीभूत हो जाओ तो सोच-विचार रुक जाता है। निर्विचार की दशा के लिए हंसना एक सुंदर भूमिका बन सकती है। जापान में हंसते हुए बुद्ध, होतेई की एक कहानी है। वह एक स्थान से दूसरे स्थान, एक बाजार से दूसरे बाजार घूमता रहता। बाजार के बीचों-बीच खड़ा हो जाता और हंसने लगता-यही उसका प्रवचन था। उसकी हंसी सम्मोहक थी, संक्रामक थी-एक वास्तविक हंसी, जिससे पूरा पेट स्पंदित हो जाता है, तरंगायित हो जाता। वह हंसते-हंसते जमीन पर लोटने लगता। जो लोग जमा होते, वे भी हंसने लगते, और फिर तो हंसी फैल जाती, हंसी की तूफानी लहरें उठतीं, और पूरा गांव हंसी से आप्लावित हो जाता। लोग राह देखते कि कब होतेई उनके गांव में आए, क्योंकि वह अदभुत आनंद और आशीष लेकर आता था। उसने कभी भी एक शब्द नहीं बोला-कभी भी नहीं। तुम बुद्ध के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम बुद्धत्व के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम सत्य के बारे में पूछते कि वह हंसने लगता। हंसना ही उसका एकमात्र संदेश था। हर सुबह जब जागें, तो अपनी आंखें खोलने से पहले, शरीर को बिल्ली की तरह तानें। तीन या चार मिनट बाद, आंखें बंद रखे हुए ही, हंसना शुरू करें। पांच मिनट के लिए बस हंसे ही। पहले-पहले तो आप इसे सप्रयास करेंगे, लेकिन शीघ्र ही आपके प्रयास से पैदा की गई ध्वनि प्रामाणिक हंसी को जगा देगी। स्वयं को हंसी में खो दें। शायद इस घटना को वास्तव में घटने में कई दिन लग जाएं, क्योंकि हम इससे बहुत अपरिचित हैं। परंतु शीघ्र ही यह सहज हो जाएगा और आपके पूरे दिन का गुण ही बदल जाएगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
20 नवंबर, 2019

05

नामदेव महाराज के पालकी उत्सव के दौरान अनियंत्रित जेसीबी घुसी

2 श्रद्धालुओं की मौत, 17 घायल

संवाददाता

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। नामदेव महाराज के पालकी उत्सव के दौरान निकल रही वारकरी यात्रा में एक अनियंत्रित जेसीबी घुस गई। इसकी चपेट में आने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम ने सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं घटना स्थल पर टीम ने रेस्क्यू शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि हादसा जेसीबी का ब्रेक फेल होने के कारण हुआ। हालांकि, पुलिस ने इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस ने अनियंत्रित जेसीबी को जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक, नामदेव महाराज की पालकी उत्सव पंढरपुर से आलंदी जा रही थी। इसी दौरान दिवेघाट के पास वारकरी यात्रा में एक जेसीबी अनियंत्रित होकर घुस गई। इस दौरान श्रद्धालुओं को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि जेसीबी की चपेट में आकर संत नामदेव महाराज के वंशज सोपान तुलसीदास नामदास महाराज (36) और अतुल अलाशी महाराज (24) की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा जेसीबी का ब्रेक फेल होने के कारण हुआ।

महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात पर बोले भागवत

सब जानते हैं स्वार्थ बहुत खराब है, लेकिन इसे बहुत कम लोग छोड़ते है

संवाददाता

नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को नागपुर में संघ के एक कार्यक्रम में मानव स्वार्थ की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा- सब जानते हैं कि स्वार्थ बहुत खराब बात है, लेकिन अपने स्वार्थ को बहुत कम लोग छोड़ते हैं। देश का उदाहरण लीजिए या व्यक्तियों का। भागवत के इस बयान को महाराष्ट्र में मौजूदा राजनीतिक संकट से जोड़कर देखा जा रहा है। संघ प्रमुख ने कहा- सब मानव जानते हैं कि प्रकृति को नष्ट करने से हम नष्ट हो जाएंगे मगर प्रकृति को नष्ट करने का काम थमा नहीं है। सब जानते हैं कि आपस में झगड़ा करने से दोनों की हानि होती है, लेकिन आपस में झगड़ा करने की बात अभी तक बंद नहीं हुई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्रः बदलते बयान, अधर में सरकार...

ऐसे में 'शरद पवार' के मन में क्या चल रहा है, जिसे न तो शिवसेना समझ पा रही है और न ही राजनीतिक पंडित। बता दें कि महाराष्ट्र में 24 अक्टूबर को चुनावी नतीजे आए तो बीजेपी-शिवसेना गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ था। लेकिन, मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी के अड़ जाने से सरकार गठन नहीं हो सका। इसके बाद गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने 12 नवंबर को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की, जिस पर राष्ट्रपति ने मुहर लगा दी। ऐसे में शिवसेना ने बीजेपी से नाता तोड़ लिया है और कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलाकर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। पिछले दिनों एनसीपी प्रमुख शरद पवार किसानों की हालत जानने के लिए नागपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मध्यावधि चुनाव की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा था, सरकार बनने में भले थोड़ा विलंब हो, लेकिन प्रदेश में पांच साल के लिए स्थायी सरकार बनाई जाएगी। सोमवार को जब शरद पवार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने पहुंचे तो उम्मीद थी कि महाराष्ट्र में सरकार गठन पर छाए काले बादल अब छंट जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवार ने कहा कि इस बैठक में सरकार गठन पर कोई चर्चा नहीं हुई है। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस और एनसीपी ने साथ में चुनाव लड़ा था, इसलिए दोनों पार्टी के नेता आगे की रणनीति पर बात कर रहे हैं। लेकिन सरकार को लेकर पवार ने कहा था कि हमारे पास 6 महीने का समय है। दिल्ली में रिपोर्टरों ने पवार से पूछा, क्या आपको लगता है कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की सरकार बनेगी? इस पर जवाब देते हुए पवार ने कहा, शिवसेना और बीजेपी अलग चुनाव लड़े। एनसीपी और कांग्रेस अलग चुनाव लड़े। आप कैसे ऐसा कह सकते हैं? उन्हें (बीजेपी-शिवसेना) अपना रास्ता खुद ढूंढना होगा। हम अपनी खुद की राजनीति करेंगे। शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में हमने सपा, स्वाभिमानी शेतकरी संगठन से भी समझौता किया था। अब उन्हें अनदेखा नहीं कर सकते। हमें सभी को विश्वास में लेना होगा। शरद पवार मंगलवार को जब संसद भवन पहुंचे तो मीडिया ने उनसे महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर सवाल पूछा। इस पर शरद पवार ने अपने ही अंदाज में जवाब दिया और कहा कि मुझसे ये सवाल मत पूछो, जिनको सरकार बनानी है उनसे सवाल पूछो। शरद पवार के इस बयान पर जब शिवसेना के संजय राउत से सवाल पूछा गया तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि शरद पवार को समझने में कई जन्म लग जाएंगे।

लोकसभा में पलूशन पर चर्चा

बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने दिल्ली के पलूशन के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पलूशन साल में 200 दिन रहता है, लेकिन पराली तो सिर्फ 40 से 50 दिन ही जलती है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार 600 करोड़ का ऐड कर हरियाणा, पंजाब और यूपी को जिम्मेदार ठहरा रही है। वर्मा ने कहा कि गांव और शहर की दूरी को बढ़ाना किसी के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का सीएम एक दांव खेल रहा है। यही नहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निजी हमला बोलते हुए वर्मा ने कहा कि एक समय में वह अकेले खांसते थे और आज जनता खांस रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 1 करोड़ 10 लाख वाहन हैं। यह गाड़ियां इसलिए बढ़ीं क्योंकि दिल्ली में बसें नहीं बढ़ीं। एक भी नई बस नहीं खरीदी और सिर्फ तीन महीने में 100 बसों का ड्रामा किया। सांसद जब बाहर निकलते होंगे तो उन्हें पता लगता है कि दिल्ली के सीएम ने एक भी नई सड़क नहीं बनाई है। टीएमसी की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 10 शहरों में से 9 भारत में ही हैं।

इसरोः 13 अमेरिकी सैटेलाइटों के...

काटोसैट-3 का वजन लगभग 1500 किलोग्राम है। यह थर्ड जेनरेशन के एडवांस्ड हाई रेजोल्यूशन वाले अर्थ इमेजिंग सैटेलाइटों में पहला है। 22 जुलाई को चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया था। इसका ऑर्बिटर सफलता पूर्वक चांद की कक्षा में स्थापित किया गया, लेकिन 7 सितंबर को लैंडर विक्रम सॉफ्ट लैंडिंग करने में नाकाम रहा था। इसरो की अगले साल नवंबर में जापान के साथ मिलकर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कराने की योजना है। सूत्रों ने बताया कि 2020 में चंद्रमा की सतह पर लैंडर उतारने के लिए इसरो ने एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है। इसका नेतृत्व तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई स्पेस रिसर्च सेंटर के निदेशक एस.सोमनाथ कर रहे हैं। इस सेंटर को इसरो के सभी लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम की जिम्मेदारी दी गई है। चंद्रयान-3 से संबंधित सभी रिपोर्ट यह कमेटी ही तैयार करेगी।

शिवसेना ने मोहम्मद गौरी से की भाजपा की तुलना

कहा– पृथ्वीराज की हत्या कर दी, जिसने कई बार जीवनदान दिया

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के संकट से जूझ रही शिवसेना ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। इस बार उन्होंने भाजपा की तुलना 13वीं शताब्दी के आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी से की है। पार्टी के मुखपत्र सामना में मंगलवार को संपादकीय में लिखा है कि उसने ही पृथ्वीराज चौहान की हत्या कर दी, जिसने उसे जीवनदान दिया। आक्रमणकारी गौरी ने 17 बार हमला किया और हर बार हारने के बाद पृथ्वीराज चौहान ने छोड़ दिया, यही गलती उन पर भारी पड़ी। सामना में शिवसेना ने भाजपा को विश्वासघाती बताने के साथ ही कृतघ्न प्रवृत्ति और पीठ पर वार करने वाला बताया है। दरअसल, एनसीपी और कांग्रेस के साथ सरकार बनाने की तमाम कोशिशों में शिवसेना जुटी हुई है। ऐसे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हटाए जाने पर उसने जमकर भड़ास निकाली। संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के दिन शिवसेना को एनडीए से बाहर किए जाने पर उसने भाजपा पर निशाना साधा है। लेख में पार्टी की ओर से कहा गया, मोहम्मद गोरी और उस समय के पराक्रमी हिंदू राजा पृथ्वीराज चौहान के बीच 18 छोटे-बड़े युद्ध हुए थे। 17 युद्धों में गौरी हार गया था। हर बार पृथ्वीराज चौहान ने उसको छोड़ दिया था। भविष्य में यही गलती उन्हें भारी पड़ी। आखिरी लड़ाई में बड़ी तैयारी करके आए मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को हरा दिया। बार-बार जीवनदान देने की बात को भूलकर गौरी ने कृतघ्नता की। पृथ्वीराज चौहान को गिरफ्तार कर उन्हें प्रताड़नाएं दीं। गौरी ने ही इस्लामिक शासन की नींव रखी। भाजपा का नाम लिए बिना लिखा कि महाराष्ट्र में भी ऐसे विश्वासघाती और कृतघ्न प्रवृत्ति के लोगों को हमने कई बार जीवनदान दिया है। आज वही प्रवृत्ति हमें रोकने और शिवसेना की पीठ पर वार करने का प्रयास कर रही है। हालांकि शिवराय के महाराष्ट्र की पीठ में खंजर घोंपनेवालों को आसानी से छोड़ा नहीं जाएगा।

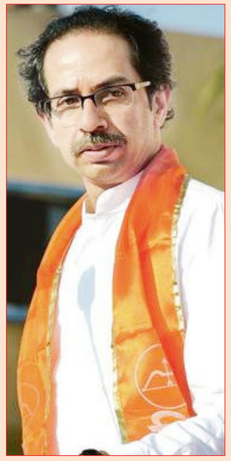

एनडीए के जन्म और प्रसव पीड़ा को शिवसेना ने अनुभव किया है

शिवसेना ने एनडीए से निकाले जाने को लेकर भी सामना में केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया। लिखा कि यात्रा में जल्दबाजी दुर्घटना को निमंत्रण देती है। शिवसेना को दोनों सदनों में विपक्ष में बिठाए जाने को लेकर कहा कि केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने इसको लेकर घोषणा कर दी थी। जोशी ने कहा था कि कांग्रेस और राकांपा से शिवसेना के संबंध जुड़ने के कारण उन्हें एनडीए से बाहर निकाल दिया गया है। लिखा कि एनडीए के जन्म और प्रसव पीड़ा को शिवसेना ने अनुभव किया है। भाजपा के बगल में भी कोई खड़ा नहीं होना चाहता था। सामना में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर भी हमला बोला गया है। मुखपत्र में लिखा कि एनडीए से शिवसेना को बाहर निकालने की बात करनेवालों को एक बार इतिहास समझ लेना चाहिए। बालासाहेब ठाकरे, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस और पंजाब के बादल जैसे दिग्गजों ने जब एनडीए की नींव रखी उस समय आज के दिल्लीश्वर गुदड़ी में भी नहीं रहे होंगे। कइयों का तो जन्म भी नहीं हुआ होगा। जॉर्ज फर्नांडिस एनडीए के निमंत्रक थे और आडवाणी प्रमुख थे। आज एनडीए का प्रमुख या निमंत्रक कौन है इसका उत्तर मिलेगा क्या?'

अहंकारी-मनमानी राजनीति के अंत की शुरूआत, हम आपको एक दिन उखाड़ फेकेंगे

भाजपा शोर मचा रही है कि शिवसेना ने कांग्रेस से हाथ मिलाया है। हम पूछते हैं कि अगर ऐसा होता दिख रहा है तो एनडीए की बैठक बुलाकर शिवसेना पर आरोप पत्र क्यों नहीं दिया। पीडीपी की महबूबा मुफ्ती के साथ सत्ता के लिए निकाह करने वाली भाजपा ने एनडीए की अनुमति ली थी क्या? नीतीश कुमार की कमर पर फिर से एनडीए की लंगोट पहनाते समय तुमने हमसे अनुमति ली थी क्या?' सारा देश जब बालासाहेब को उनकी पुण्यतिथि के दिन श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा था उसी समय जिसने एनडीए की स्थापना की, उसे ही बाहर निकालने की नीच घोषणा इन लोगों ने की। ये अहंकारी और मनमानी राजनीति के अंत की शुरूआत है। इस शब्द का प्रयोग आज हम जान-बूझकर कर रहे हैं। छत्रपति शिवराय के महाराष्ट्र से लिया गया पंगा तुम्हारा तंबू उखाड़े बिना नहीं रहेगा। हम ये वचन दे रहे हैं। महाराष्ट्र उठता नहीं और उठ गया तो चुप नहीं बैठता। पैसे और सत्ता का दर्प शिवराय की माटी में नहीं चलता इसका अनुभव विधानसभा चुनाव में मिल ही गया है। संपादकीय में आगे लिखा है, महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी राजा का है। महाराष्ट्र के कोने-कोने में सिर्फ एक ही गर्जना होगी, शिवसेना जिंदाबाद! हिम्मत है तो आओ सामने। हम तैयार हैं।

ममता ने कहा– हैदराबाद वाले चरमपंथी पर भरोसा न करें

ओवैसी बोले- उनका बयान निराशा भरा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बीच विवाद शुरू हो गया है। ममता बनर्जी ने सोमवार को कूचबिहार में एक कार्यक्रम में कहा था कि अल्पसंख्यक समुदाय में कुछ लोग चरमपंथी है। ऐसे लोगों को सुनने से बचें। मंगलवार को पटलवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि ममता का बयान उनका डर और निराशा दिखा रहा है। ममता ने कहा था कि जैसे हिन्दूओं में चरमपंथी हैं, उसी तरह अल्पसंख्यकों में भी चरमपंथी सामने आ रहे हैं। एक राजनीतिक पार्टी है, जो भाजपा से पैसे ले रही है। वह पार्टी हैदराबाद से है, पश्चिम बंगाल से नहीं है। ममता ने कहा- हैदराबाद वाले चरमपंथियों को नहीं सुनें। ऐसी ताकतों का विश्वास नहीं करें। उनके इस बयान पर ओवैसी ने कहा- ममता का बयान उनकी निराशा और हताशा दिखाता है। इससे पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम बड़ी ताकत बनकर उभर रही है।

ममता मुझे गाली देकर मुसलमानों का अपमान कर रहीं : ओवैसी

ओवैसी ने कहा, हम न्याय और अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। अगर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री इसे चरमपंथ के तौर पर देखती हैं, तो मैं कुछ नहीं कर सकता। चरमपंथ तब है जब आप (ममता) भाजपा को 18 सीटें जीतने देती हैं। चरमपंथ तब है, जब 100 % मुसलमानों के वोट देने के बाद भी आप भाजपा को नहीं रोक पाती हैं और मुझे गाली देकर राज्य के मुसलमानों का अपमान करती हैं।

ओवैसी की अपील- मुसलमानों को सशक्त बनाएं ममता

एआईएमआईए प्रमुख ने कहा, मैं ममता बनर्जी से अपील करता हूं कि मुसलमानों को सशक्त बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना शुरू करें। जो इस प्रकार की तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के खिलाफ खड़े होते हैं, उन्हें चरमपंथी कहा जाता है। जो लोग भाजपा के खिलाफ बोलते हैं, उन्हें जिन्ना-2 और राष्ट्रविरोधी करार दे दिया जाता है।

अबकी बार मुस्लिम आरक्षण वाली सरकार: मुस्लिम सेवा संघ

मराठों के आरक्षण के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी रिपोर्ट में आयोग ने इमरातों को 16 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की है। इस रिपोर्ट से मराठों को आरक्षण मिली अब उसको सुप्रीम कोर्ट टिकने जदोजहेद कर रही राज्य सरकार है। हम इस का स्वागत करते है। दूसरी और राज्य की सरकार मुस्लिम आरक्षण की मांग पर पूरी तरह से खामोशा है। राज्य में मराठा आरक्षण की तरह मुस्लिम समाज 5 फीसदी आरक्षण की मांग कर रहा है।

बता दें कि राज्य में जब काग्रेस और एनसीपी की सरकार थी, तब अध्यादेश लाकर मुस्लिम समाज को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। समाज को उसका फायदा भी मिलने वाला था, लेकिन बीजेपी सरकार ने उस अध्यादेश को बिल में नहीं बदला, जिससे अध्यादेश खत्म हो गया। इससे मुस्लिम समाज को मिला आरक्षण भी खत्म हो गया। ध्यान देने योग्य बात ये भी है कि मुसलमानों की स्थिति को देखते हुए मुंबई हाईकोर्ट ने भी शिक्षा के क्षेत्र में मुस्लिम आरक्षण को सही माना था, फिर भी सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण नहीं दिया। साथ ही रंगनाथ मिश्र व सच्चर कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया है कि मुस्लिम समाज काफी पिछड़ा है। उसे सरकार के सहयोग की जरूरत है मुस्लिम सेवा संघ की ओर से सभी सभी पार्टी प्रमुख को लेटर भेजा गया है साथ ही राज्यपाल को निवेदन किया है राज्य की राजकीय परिस्तिथि को देखते हुवे लगता है मुस्लिम आरक्षण पर सकारात्मक निर्णय आएगा। राज्य सरकार हमारा हक्क का आरक्षण और समजिक सुकरक्षा दे। वरना मुस्लिम समाज उग्र आंदोलन दिशा अपना सकता है। आने वाली सरकार स्वागत के लिए तयार है।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का रास्ता साफ, मुस्लिम आरक्षण पर पूरी तरह से खामोश है सरकार

बिसलेरी की तरह बिक रही ताजी हवा!

सरकार द्वारा लोगों को साफ पानी न मुहैया करने कि वजह से देश में बिसलेरी का चलन बढ़ा अब प्रदूषण से न निपट पाने के कारण बोतल बंद ताजी हवा का चलन बढ़ रहा है। देश में बढ़ता प्रदूषण कुछ कंपनियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। कंपनियां अब ताजी और साफ हवा के नाम पर एयर प्यूरिफायर ला रही हैं। इनकी बिक्री चीन के बाद अब दिल्ली जैसे शहरों में भी धड़ल्ले से हो रही है। वहीं विदेशों में कुछ जगहों पर टेलीफोन बूथ नुमा साफ हवा लेने के लिए बूथ बनाए गए हैं। यहां पर कीमत चुका कर कुछ समय के लिए साफ हवा में सांस ले सकते हैं। इसके अलावा अब बोतल में बंद ताजी और साफ हवा भी बाजार में आ गई है। वैज्ञानिकों की वह चेतावनी अब सामने दिखने लगी है जिसमें उन्होंने कहा था कि आबोहवा को बचाकर रखो, वर्ना पैसे चुकाकर इन मुफ्त प्राकृतिक संसाधनों को खरीदना पड़ेगा। दिल्ली और देश के अन्य शहरों में वायु की खराब गुणवत्ता को देखते हुए भारतीय सहित कई विदेशी कंपनियां ऑनलाइन पहाड़ों की ताजी हवा बेच रही हैं। बोतलबंद इस हवा को खरीदने के लिए हमें हजारों रुपये खर्च करने होंगे।

दिल्ली में हर साल प्रदूषण होने पर लोगों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़ता है: कांग्रेस

शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को संसद में दिल्ली के प्रदूषण पर चर्चा हुई। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि जब हर साल दिल्ली में प्रदूषण का मुद्दा उठता है तो फिर सरकार या सदन की ओर से इस मामले पर कोई आवाज क्यों नहीं उठती? आखिर क्यों हर साल लोगों को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है? यह बेहद गंभीर मामला है। तिवारी ने आगे यह भी कहा, आज यह जरूरी है कि इस सदन की ओर से देश को यह संदेश जाए कि लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि इस मुद्दे पर संवेदनशील और गंभीर हैं। केवल हवा ही नहीं बल्कि हमारी नदियां भी प्रदूषित हो रही हैं। जिस तरह संसद में स्थायी, प्राक्कलन और लोक उपक्रम समितियां हैं, उसी तरह प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पर भी समिति होना चाहिए। किसानों की आय, कश्मीर में नेताओं की हिरासत और जेएनयू के मुद्दे पर भी सदन में हंगामा हुआ। कांग्रेस सांसदों ने गांधी परिवार की सुरक्षा कम करने पर तानाशाही बंद करो के नारे लगाए और लोकसभा की वेल में आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगा। इसके बाद गांधी परिवार की सुरक्षा घटाने के मुद्दे

पर कांग्रेस और डीएमके ने लोकसभा से वॉक आउट कर दिया। उधर, कई सदस्यों ने दोनों सदन में वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा के लिए नोटिस दिया। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, सोनिया और राहुल गांधी सामान्य सुरक्षा पाने वाले व्यक्ति नहीं हैं। अटल बिहारी वाजपेयी ने गांधी परिवार को एसपीजी सुरक्षा प्रदान की थी। गांधी परिवार को 1991 से 2019 तक यह सुरक्षा मिली रही। एनडीए दो बार सत्ता में आया, लेकिन गांधी परिवार का एसपीजी कवर नहीं हटाया गया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर सोचने की जरूरत है। इस पर राजनीति से ऊपर उठकर विचार करना चाहिए और मिलकर हल खोजना चाहिए। जलवायु परिवर्तन पर एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। रविवार को दिल्ली में भाजपा के सांसदों मनोज तिवारी, हंसराज हंस और मीनाक्षी लेखी ने प्रदूषण का मुद्दा संसद में उठाया। लेखी ने कहा कि हमारे प्रदेश के सीएम अरविंद केजरीवाल के पास इतना समय नहीं है कि अपने पड़ोसी के राज्यों के साथ बात कर लें। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद से हवा की गुणवत्ता कई दिनों तक गंभीर स्थिति में रही थी। यहां एक्यूआई 600 के पार पहुंच गया था। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट दिल्ली और केंद्र सरकार को फटकार लगाई थी।

मुझे सीएम नहीं बनना, अखिलेश मतभेद भुलाएं तो 2022 में वे मुख्यमंत्री होंगे: शिवपाल

संवाददाता

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से नाराज होकर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) बनाने वाले उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव अब यू-टर्न का मन बना रहे हैं। यादव ने इटावा में पत्रकारों से कहा कि अगर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आपसी मतभेद भुला देंगे तो वे फिर 2022 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने में कामयाब होंगे। हमारी प्राथमिकता समाजवादी पार्टी है। हमने लंबे समय तक नेताजी के साथ काम किया है। हमारी विचारधारा भी समाजवादी है। प्रसपा 22 नवंबर को पूरे राज्य में नेताजी मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन मना रही है। इसमें शिवपाल ने परिवार के सभी लोगों को आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं नेताजी के जन्मदिन पर परिवार में एकता बढ़ जाए तो अच्छा है। यह हमारा प्रयास है। भतीजा समझ लेगा तो सरकार बना लेगा। मुख्यमंत्री हमें तो बनना नहीं है। इटावा के सिंचाई भवन में प्रसपा की बैठक में शिवपाल सिंह यादव ने कहा, मेरी इच्छा एक बार फिर से अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने की है। हम इसके लिए समाजवादी पार्टी से बिना किसी शर्त के गठबंधन को तैयार हैं। सपा और प्रसपा एक हो जाएं तो सरकार बना लेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तीन और मुस्लिम पक्षकार बोले- सुप्रीम फैसले के खिलाफ दायर करेंगे पुनर्विचार याचिका

लखनऊ। अयोध्या मामले में तीन और मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने का ऐलान किया है। सोमवार को किए उनके इस ऐलान के बाद अब 10 में से 7 मुस्लिम पक्षकारों ने पुनर्विचार याचिका पर अपनी सहमति जताई है। अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला 9 नवंबर को आया था।

रविवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के तत्वाधान तले तीन मुस्लिम पक्षकारों ने कहा था कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे। इनके अलावा एक अन्य पक्षकार जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अलग से पुनर्विचार

याचिका दायर करने की घोषणा की थी।

सोमवार को रिव्यू पिटिशन दायर करने की बात कहने वाले तीन मुस्लिम पक्षकार हैंः हाजी महबूब, मौलाना हिज्बुल्ला और स्वर्गीय हाजी अब्दुल अहद (पहले मुस्लिम पक्षकारों में से एक) के दो बेटे हाजी असद अहमद व हाफिज रिजवान। हाजी महबूब ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'मैंने एआईएमपीएलबी को अपनी सहमति दे दी है।' हालांकि दो दिन पहले हाजी महबूब ने कहा था कि पुनर्विचार याचिका की कोई जरूरत नहीं है। इकबाल अंसरी और वक्फ बोर्ड मना कर चुके हैं

गौरतलब है कि 10 मुस्लिम पक्षकारों में से तीन- यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड और इकबाल अंसारी ने पुनर्विचार याचिका न दायर करने का फैसला किया है।

अरविंद केजरीवाल पर गौतम गंभीर का तंज 'जल या जलेबी?'

नई दिल्ली। प्रदूषण को लेकर हुए मीटिंग में शामिल नहीं होने पर बीजेपी सांसद गौतम गंभीर लगातार आम आदमी पार्टी के निशाने पर बने हुए हैं। इन हमलों के बीच सोमवार को गंभीर ने ट्विटर के जरिए सीएम अरविंद केजरीवाल पर तंजभरे अंदाज में सवाल किया 'जल या जलेबी?'।

गंभीर ने इस ट्वीट के जरिए केजरीवाल पर सवाल उठाया है कि उनके लिए आखिर क्या अहम है, दिल्ली के पानी की खराब क्वॉलिटी का मुद्दा या फिर गौतम द्वारा जलेबी खाना? फिलहाल इस पर केजरीवाल या आप पार्टी के किसी अन्य नेता की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बता दें कि, प्रदूषण को लेकर होने वाली मीटिंग में शरीक होने की जगह गंभीर एक कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। उन्होंने इसी दौरान जलेबी खाते हुए अपनी तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके बाद से आम आदमी पार्टी उन्हें निशाने पर ली हुई है।

गंभीर ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए भी आप के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि 'अगर जलेबी नहीं खाने से प्रदूषण खत्म होता है तो जिंदगी भर के लिए जलेबी छोड़ सकता हूं।'

गौतम गंभीर ने केजरीवाल को निशाना बनाते हुए कहा था कि '...सीएम ने पानी फ्री किया वो पानी जो जहर हो गया है, पीने लायक नहीं है।' वहीं प्रदूषण के मुद्दे पर उन्होंने सवाल उठाया कि केजरीवाल बताएं कि आखिर उन्होंने प्रदूषण रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

तेलंगाना में बेटा नहीं पैदा करने पर पति ने दिया तीन तलाक

हैदराबाद। देश में तीन तलाक पर कानूनी प्रतिबंध लगने के बाद भी इस तरह की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। हैदराबाद में एक शौहर ने बेटा नहीं पैदा करने पर अपनी अपनी पत्नी को तीन तलाक दे दिया है। यही नहीं आरोपी पति ने दूसरी शादी भी कर ली है।

बताया जा रहा है कि आरोपी पति ने बेटे की बजाय बेटी को जन्म देने पर अपनी पत्नी मेहराज बेगम को तीन तलाक दे दिया। अब मेहराज बेगम न्याय के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। इस बीच हैदराबाद पुलिस ने तीन तलाक देने के आरोपी शौहर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेहराज बेगम ने कहा, 'मैं आशा करती हूं कि न्याय मिलेगा और मेरे शौहर को उसके गुनाहों के लिए जरूर सजा मिलेगी।' उन्होंने बताया कि आरोपी पति ने अब दूसरी शादी कर ली है। बता दें कि पिछले दिनों यूपी के अयोध्या जिले में भी बेटी पैदा होने पर पति ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया था। पीड़िता ने न्याय की मांग की है। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 के तहत तीन तलाक को अपराध में रखा गया है लेकिन इसके बावजूद इसके लागू होने से लेकर अब तक देश में तीन तलाक के मामलों में कमी नहीं आई है। एक मुस्लिम महिला कार्यकर्ता का कहना है कि तीन तलाक के मामलों में तेजी मुस्लिम पुरुषों के बीच बढ़ते आक्रोश का परिणाम है, जिन्हें ऐसा लगता है कि उनसे उनके अधिकार को छीन लिया गया है।

किसानों पर लाठीचार्जः मायावती और अखिलेश ने योगी सरकार पर बोला हमला

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उन्नाव जिले में जमीन के मुआवजे को लेकर किसानों पर पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राज्य सरकार की सोमवार को आलोचना की। उधर, अखिलेश यादव ने भी बीजेपी सरकार पर हमला बोला है।

किसानों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर योगी सरकार पर हमला बोलते हुए मायावती ने ट्वीट किया, 'उत्तर प्रदेश सरकार को उन्नाव में मुआवजे के विवाद के लगातार उलझते जा रहे मामले को जमीन मालिकों के साथ बैठकर जल्दी सुलझाना चाहिएना कि उनके ऊपर पुलिस लाठीचार्ज कराना चाहिए। यह निंदनीय है। इसे सरकार को अति गम्भीरता से लेना चाहिए।'

बता दें कि शनिवार को उन्नाव के गंगा बैराज रोड स्थित ट्रांस गंगा सिटी में काम कराने पहुंची प्रशासन और यूपीसीडा की टीम पर किसानों ने हमला कर दिया था। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया तो उग्र किसानों ने पथराव कर दिया था। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक विनोद पांडेय और पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार समेत छह से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। जवाब में पुलिस के लाठीचार्ज में 12 से ज्यादा ग्रामीण घायल हो गए थे। इस बीच, समाजवादी पार्टी

के अध्यक्ष प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी इस मामले को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार के दमन के कारण किसानों में असंतोष व्याप्त है। ट्रांस गंगा प्रॉजेक्ट के लिए बीजेपी सरकार हठधर्मी रवैया अपनाए हुए है और किसानों की दिक्कतों के समाधान की जगह उन पर लाठियां भांज रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती समाजवादी सरकार जहां किसानों की सहमति से जमीन का अधिग्रहण करने में सफल रही थी, वहीं बीजेपी सरकार उन्हें बिना पर्याप्त मुआवजा दिए बेघर और बेरोजगार बनाने पर तुली है।

16 लाख रुपए रिश्वत लेते पथ अभियंता गिरफ्तार

पटना। बिहार राज्य निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की एक टीम ने पथ निर्माण विभाग के कटिहार में पदस्थापित कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार को पटना स्थित उनके आवास से रिश्वत की पहली किश्त लेते हुए सोमवार को धर दबोचा। ब्यूरो के उपमहानिरीक्षक शंकर झा ने बताया कि कटिहार जिला के कोढा थाना अंतर्गत बिंजी गांव निवासी और परिवादी निखिल कुमार ने शिकायत की थी कि अरविंद कुमार रोड देखभाल कार्य के 83 करोड़ 52 लाख छह हजार रुपए के भुगतान करने के एवज में कुल राशि का एक प्रतिशत यानि 84 लाख रुपए रिश्वत के तौर पर मांग कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि निखिल के काफी आग्रह करने पर अरविंद 80 लाख रुपए लेकर बिल का भुगतान करने के लिए राजी हो गए । शंकर ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में ब्यूरो मुख्यालय की टीम ने अरविंद को पटना स्थित उनके आवास पर परिवादी से रिश्वत की प्रथम किश्त के तौर पर 16 लाख रुपए लेते हुए गिरफ्तार किया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियंता से पूछताछ किए जाने के बाद भागलपुर स्थित निगरानी की अदालत में पेश किया जाएगा ।

इंदौर में डांसिंग मूव्स के जरिए ट्रैफिक संभाल रही एमबीए स्टूडेंट

इंदौर। मध्य प्रदेश में डांसिंग ट्रैफिक कॉप के बाद अब डांसिंग ट्रैफिक गर्ल नजर आ रही है। दरअसल, इंदौर में एमबीए स्टूडेंट शुभी जैन अपने इनोवेटिव डांस मूव्स के जरिए सड़क पर ट्रैफिक मैनेज कर रही हैं। शुभी जैन पुणे स्थित सिंबॉयसिस इंस्टिट्यूट की छात्रा हैं और अपने अनोखे अंदाज से ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता फैला रही हैं।

शुभी जैन ने बताया, 'मैं पिछले 15 दिनों से ट्रैफिक पुलिस के लिए अपनी इच्छा से यह काम कर रही हूं। जब लोग पीछे मुड़कर आपको

देखकर मुस्कुराते हैं तो इससे प्रोत्साहन मिलता है। अब लोग मेरे पास आते हैं और खुद से बताते हैं कि वे सीटबेल्ट और हेल्मेट पहने हुए हैं।'

देश के लिए कुछ करने को अडिग

शुभी ने आगे बताया कि एक बास्केटबॉल मैच खेलने के दौरान एड़ी में चोट आने पर भी वह अपने देश के लिए कुछ करने को अडिग हैं। डीएसपी इंदौर ट्रैफिक उमाकांत चौधरी कहते हैं, 'हम इंदौर में विजन 2022 चला रहे हैं जिसमें हम अलग-अलग स्कूलों और इंस्टिट्यूट के कई वॉलनटिअर्स की मदद ले रहे हैं और उन्हें 6 महीने के लिए ट्रेनिंग दे रहे हैं।'

इस स्टाइल को देख कई लोग मुरीद

शुभी के डांसिंग स्टाइल पर डीएसपी ने बताया कि कई लोग इस नए स्टाइल को पसंद कर रहे हैं और यह दूसरे वॉलनटिअर्स को भी सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने के लिए नए तरीके इजाद करने में प्रोत्साहित कर रहा है। इससे पहले इंदौर में माइकल जैक्सन की तरह डांस करके ट्रैफिक संभालने वाले पुलिसकर्मी रणजीत सिंह की काफी चर्चा हुई थी।

दुनिया के सबसे रोमांटिक शहर वेनिस की खूबसूरती

इटली का सबसे खूबसूरत शहर वेनिस इन दिनों भयंकर बाढ़ से जूझ रहा है। अपनी ऐतिहासिक इमारतों और कलात्मक संग्रह के लिए वेनिस दुनियाभर में मशहूर है। यहां हम आपको कुछ बेहतरीन तस्वीरों की मदद से वेनिस की खूबसूरती से रू-ब-रू करवा रहे हैं।

सैकड़ों द्वीपों पर बसा है वेनिस
अपनी नहरों के लिए मशहूर वेनिस 118 छोटे छोटे द्वीपों पर बसा है, जो 455 पुलों के जरिए आपस में जुड़े हैं।

दुनिया का सबसे रोमांटिक शहर
वेनिस को दुनिया के सबसे रोमांटिक शहरों में से एक माना जाता है। 53 साल में पहली बार शहर ने ऐसी भयानक बाढ़ देखी है।

दुनिया भर के सैलानियों की पसंद
बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहा यह शहर दुनिया भर के सैलानियों की पसंदीदा जगह है।

कार्निवाल के लिए भी फेमस
रंग-बिरंगी पोशाकों और मुखौटों वाला यहां का कार्निवाल दुनिया भर में मशहूर है।

सड़कों की भूमिका निभाती नहरें
ऐतिहासिक इमारतों से भरे इस शहर में खूबसूरत गलियों के अलावा ढेर सारी नहरें हैं, जो सड़कों की भूमिका निभाती हैं।

वेनिस में गॉन्डोला राइड
इन नहरों में काले रंग की छोटी-छोटी नाव चलती हैं, जिन्हें गॉन्डोला कहते हैं। विश्व प्रसिद्ध गॉन्डोला राइड का मजा लेने के लिए भी दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं।

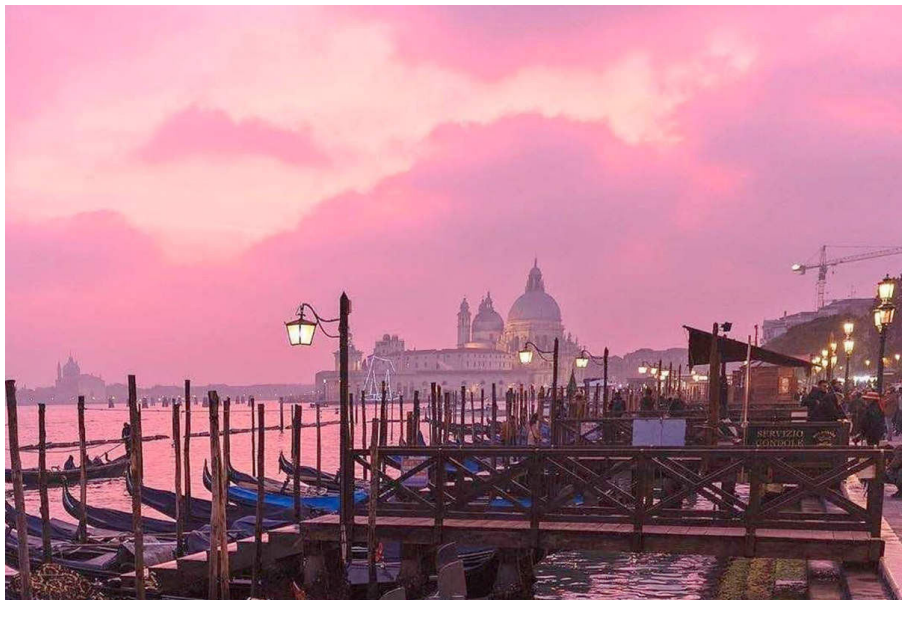

ऐतिहासिक इमारतों की भरमार
नहरों के किनारे आलीशान ऐतिहासिक इमारतों की भरमार है, जो प्राचीन वेनिस की याद दिलाते हैं।

दलदली जमीन पर बसा वेनिस
वेनिस की ऐतिहासिक इमारतें दलदली जमीन पर बने हुए हैं और लकड़ियों के सहारे टिके हुए हैं।

शहर को दो हिस्सों में बांटता है ग्रांड कनाल
ग्रांड कनाल यहां की सबसे बड़ी नहर है। पूरे शहर को दो भागों में बांटने वाली यह नहर एस(र) शेप में है और 2.5 मील में फैली हुई है।

संदीदा हनीमून डेस्टिनेशन्स में से एक
वेनिस दुनिया भर के सैलानियों की पसंदीदा हनीमून डेस्टिनेशन्स में से एक है। एक अनुमान के अनुसार, हर साल वेनिस आने वाले सैलानियों की संख्या लगभग डेढ़ करोड़ है।

सर्दियों में घूमने की कर रहे हैं प्लानिंग, तो ये रहे 5 शानदार विकल्प

सर्दियों ने दस्तक दे दी है और मौसम सुहाना हो चला है। जल्द ही दिसंबर आने वाला है और इसी के साथ आप न्यू ईयर और क्रिसमस को लेकर एक्साइटेड भी हो जाएंगे। सर्दियों के लिए वकेशन प्लान करने का यही सही समय है। हो सकता है कि आप यह प्लान खुद बनाएं या फिर किसी ट्रैवल सर्विस की मदद लें। आपकी कुछ मदद हम भी कर देते हैं। हमने आपके लिए 5 जगह चुनी हैं जहां सर्दियों में घूमने का अनुभव बेहद शानदार होता है। सर्दियों में आप केरल, राजस्थान, गोवा, गुजरात या फिर कश्मीर घूमने का प्लान कर सकते हैं।

इन जगहों पर घूमने का खर्च भी हमने आपके लिए जोड़ दिया है जिसमें ठहरने का खर्च और हवाई यात्रा का खर्च भी शामिल है। हालांकि, इस बजट में कटौती करने का विकल्प आपके पास खुला हुआ है। इतना ही नहीं, इन जगहों पर होने वाली ऐक्टिविटी के बारे में भी जान लीजिए जिसे करने में आपको खूब मजा आएगा। इसके बाद चुनिए अपने विंटर वेकशन के लिए बेस्ट जगह।

केरल
पहाड़, बीच, बैकवॉटर्स, केरल में सबकुछ है। यहां घूमने के लिए आप 4 रात और 5 दिन का प्लान बनाएं। इस दौरान आपको कहां-कहां जाना चाहिए, हम आपको बताते हैं। आपकी ट्रिप कोच्चि से शुरू होगी। कोच्चि के बाद आप मुन्नार जाएं। मुन्नार में आपको हरे-भरे चाय के बगान देखने को मिलेंगे। ठिक्कडी के जंगलों में एक रात गुजारिए और एक रात एलेप्पी के बैकवॉटर्स के बीच।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
भ्रमण पर जाने से व्यय भार बढ़ सकता है। माता पिता की सेहत की चिंता रहेगी। किसी अजनबी पर विश्वास हानिकारक हो सकता है।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसर्गति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
कार्यों के प्रति उत्साह बना रहेगा। पति पत्नी के बीच मामूली अनबन हो सकती है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी।

कन्या
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

मिथुन
भूमि या भवन में निवेश लाभदायक हो सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

तुला
आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

कर्क
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। शत्रु की प्रबलता रह सकती है। जरुरी न हो तो निवेश न करें।

वृश्चिक
पैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मीन
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी। माता पिता की सेवा का भाव रहेगा।

खुशखबरीः इटावा लायन सफारी में लाया जाएगा डांसिंग डियर

इटावा लायन सफारी को खुलने में अभी थोड़ा वक्त लग रहा है, लेकिन लायन सफारी प्रशासन यहां कुछ नया करने के लिए तैयार है। प्रशासन के मुताबिक, जब ये खुले तो दर्शकों को यहां कुछ नया देखने को मिले। लायन सफारी खुलने से पहले यहां पर मणिपुरी डांसिंग डियर लाए जाएंगे। सेंट्रल जू अथॉरिटी ने इसकी मंजूरी दे दी है।

सफारी के निदेशक डॉ. वीके सिंह ने बताया कि लायन सफारी खुलने से पहले यहां पर गुवाहाटी से मणिपुरी डांसिंग डियर लाए जाएंगे। लायन सफारी से 8 ब्लैक बक देकर 8 मणिपुरी डांसिंग डियर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लायन सफारी खोलने का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है। वहां से अनुमति मिलते ही इसे दर्शकों के लिए खोल दिया जाएगा।

जंगल में कम पाए जाते हैं
वीके सिंह ने बताया कि यह बहुत दुर्लभ प्रजाति के जीव है। यह जल्दी जंगलों में भी नहीं मिलते हैं। उन्होंने बताया कि दो दिनों में लायन सफारी की टीम इन्हें लाने के लिए गुवाहाटी के लिए रवाना होगी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही लायन सफारी में दर्शकों को एंटीलोप, चीतल, सांभर, भालू और शेर देखने को मिलेंगे। फिलहाल लायन सफारी में कुल 150 वन्यजीव मौजूद हैं। आठ मणिपुरी डांसिंग डियर को मिलाकर वन्यजीवों की संख्या 158 हो जाएगी।

25 वन्यजीवों को गोरखपुर जू भेजा गया
उधर, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के 25 वन्यजीवों को गोरखपुर जू भेजा गया है। गोरखपुर में बन रहे शहीद अशफाक उल्लाह प्राणि उद्यान और डायवर्सिटी पार्क को शुरू करने में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। इसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 290 एकड़ क्षेत्र में बने गोरखपुर-जू में 200 वन्यजीव रखे जाने हैं। इसके लिए अलग अलग शहर के जू से वन्यजीव लाए जा रहे हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डेल स्टेन ने कहा, भारत का यह तेज गेंदबाज दुनिया में बेस्ट

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। स्टेन सोशल मीडिया पर फैन्स के सवालों का जवाब दे रहे थे। एक यूजर ने पूछा कि उनके अनुसार अभी इस कौन सा गेंदबाज दुनिया में सबसे बेहतरीन है। इसके जवाब में स्टेन ने शमी का नाम लिया। स्टेन ने कहा, 'मौजूदा फॉर्म के साथ शमी।' शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ इंदौर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट लिए है।

शमी आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में आठ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अब 790 रेटिंग प्वाइंट्स हो गए हैं। वह सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले कपिल देव 877 और जसप्रीत बुमराह 832 अंक हासिल कर चुके हैं।

डे-नाइट टेस्टः स्पिन और पेस में फंसा पेच, टीम कॉम्बिनेशन पर माथापच्ची

नई दिल्ली। भारत में पिंक बॉल से खेले जाने वाले पहले डे-नाइट टेस्ट मैच का मंच पूरी तरह से सज चुका है। प्लेयर्स अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। लेकिन असली पेच टीम कॉमिबिनेशन के लेकर फंस सकता है, जहां दोनों टीमों को बोलिंग अटैक में पेस और स्पिन के बीच संतुलन बनाने के लिए जूझना पड़ सकता है। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भी भारतीय पेस अटैक उतनी ही घातक नजर आ रही है। लेकिन 22 नवंबर से होने वाले इस मैच के लिए ईडन गार्डंस की स्पिन फ्रेंडली पिच पर टीम इंडिया कितने पेसर्स के साथ उतरेगी यह देखना दिलचस्प होगा।

इंदौर में खेले गए पहले टेस्ट में भारतीय टीम तीन पेसर्स और दो स्पिनर के पारंपरिक कॉम्बिनेशन के साथ उतरी थी। लेकिन वहां पेसर्स ने ही सारा जिम्मा उठा लिया और स्पिनर्स की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ी। पिंक बॉल कितना टर्न होती है या फिर फ्लड लाइट्स में कितना टर्न लेगी अभी इस पर सस्पेंश बना हुआ है। घरेलू क्रिकेट में पिंक बॉल से कई मैच खेल चुके स्पिनर झारखंड के स्पिनर शहबाज नदीम की माने तो पिंक बॉल से बोलिंग के वक्त स्पिनर को टर्न से ज्यादा लाइन और लेंथ पर ज्यादा निर्भर रहना होगा।

नदीम के अनुसार पिंक बॉल टप्पा खाने के बाद ज्यादा हरकत नहीं करती है ऐसे में एक लाइन पकड़ कर बोलिंग करने पर ही स्पिनर्स को कुछ फायदा हो सकता है। वहीं जम्मू-कश्मीर के अनुभवी स्पिनर परवेज रसूल की माने तो नई बॉल से स्पिनर कुछ टर्न हासिल कर सकते हैं।

किंग खान की केकेआर टीम ने किया था रिलीज, क्रिस लिन ने खेली टी10 लीग में ऐतिहासिक पारी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई तूफानी बल्लेबाज क्रिस लिन ने टी-10 लीग में इतिहास रचा दिया। उन्होंने महज 30 गेंदों में 9 चौके और 7 छक्के लगाते हुए नाबाद 91 रन ठोक डाले। यह टी-10 लीग में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर है। उन्होंने यह पारी सोमवार को मराठा अरेबियंस की ओर से खेलते हुए टीम अबु धाबी के खिलाफ खेली। इस मैच में लीन की टीम ने 24 रनों से जीत दर्ज की।

हाल ही में केकेआर से रिलीज किए गए कप्तान क्रिस लिन ने इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के 32 गेदों में 87 रन बनाने का रेकॉर्ड तोड़ा। हेल्स ने पिछले सीजन में यह स्कोर किया था। इस मुकाबले में मराठा अरेबियंस ने निर्धारित 10 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। इसमें लिन के नाबाद 91 रन के अलावा एडम लिथ की 18 गेंदों में खेली गई 30 रनों की पारी भी शामिल है।

जवाब में अबु धाबी की टीम 3 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी और 14 रन से मैच हार गई। उसके लिए सबसे अधिक ल्यूक राइट ने 25 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए, जबकि कप्तान

मोईन अली ने 11 गेंदों में 31 रन की पारी खेली। यह मैच अबु धाबी में खेला गया।

कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने क्रिस लिन को रिलीज करने का फैसला किया था। किंग खान की टीम के इस फैसले से लोग हैरान थे, क्योंकि लिन ने केकेआर के लिए कई महत्वपूर्ण पारी खेली थी। उन्होंने 2019 सीजन में 13 मैच खेलते हुए 31।15 के प्रभावी औसत से 405 रन बनाए थे, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल रहे। आईपीएल के पिछले सीजन में केकेआर ने 9।6 करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा था।

कोहली-डिविलियर्स के भरोसे नहीं रह सकती आरसीबीः मोईन अली

अबू धाबी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर खिलाड़ी मोईन अली उन दो विदेशी खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए रिटेन किया। मोईन का कहना है कि अगर बैंगलोर को खिताब जीतना है तो उसे कप्तान विराट कोहली और अब्राहम डिविलियर्स पर ही निर्भर नहीं रहना होगा। बेंगलोर ऐसी टीम है, जिसमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन वह अभी तक खिताब से दूर ही रही है। विराट कोहली की कप्तानी वाली इस टीम को कई बार उसे अहम समय पर लीग में पिछड़ते हुए देखा गया है। मोईन ने अबु धाबी में टी10 लीग के एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'हमें अच्छी शुरूआत की जरूरत होगी। मुझे लगता है कि हमने हमेशा धीमी शुरूआत की है। हमें मजबूत रहना होगा, खासकर घर में क्योंकि बेंगलुरु की विकेट धीमी है। वहां की बाउंड्रीज छोटी हैं और यह गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं है।'

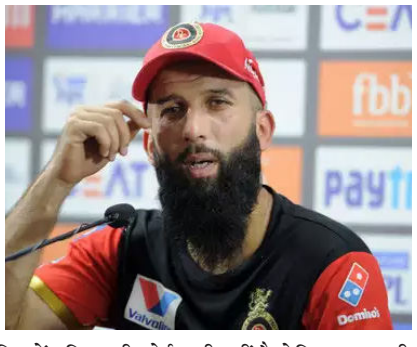

इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, 'हम मैच जीतने के लिए कोहली और डिविलियर्स पर निर्भर नहीं रह सकते। मेरे जैसे बल्लेबाजों और जो बल्लेबाज टीम में आ रहे हैं उन्हें आगे आकर जिम्मेदारी लेनी होगी।' बैंगलोर ने हाल ही में 12 खिलाड़ियों की रिलीज किया है। अब उसकी नजरें 19 दिसंबर को कोलकाता में होने वाली आईपीएल नीलामी पर हैं।

डेविस कपः सस्पेंस खत्म, कजाकिस्तान की राजधानी में होगी भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत

नई दिल्ली। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबला नूर सुल्तान में खेलेगी। इस तरह अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने कजाकिस्तान की राजधानी को इस मुकाबले की मेजबानी सौंपकर वेन्यू को लेकर सस्पेंस खत्म कर दिया है। आईटीएफ के स्वतंत्र ट्रिब्यूनल ने चार नवंबर को डेविस कप समिति द्वारा लिये गए फैसले पर मुहर लगाई कि यह मुकाबला तटस्थ स्थान पर खेला जाना चाहिए।

पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने फैसले के खिलाफ अपील की थी। उसने कहा था कि यदि भारतीय तीर्थयात्री बिना किसी सुरक्षा खतरे के पाकिस्तान जा सकते हैं तो भारतीय टीम इस्लामाबाद में मैच क्यो नहीं खेल सकती। एआईटीए के सीईओ अखूरी विश्वदीप ने कहा, आईटीएफ ने हमें बताया है कि मुकाबला नूर सुल्तान में होगा। हमें नहीं पता कि पीटीएफ की अपील खारिज हुई है या नहीं। हमें देर रात को मिली सूचना में नए वेन्यू के बारे में बताया गया। मुकाबला 29-30 नवंबर को खेला जाना है। पहले इसे सितंबर में होना था लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए भारत ने इसे तटस्थ स्थान पर आयोजित कराने की मांग की थी। भारत ने अपनी पूरी मजबूत टीम का ऐलान किया था क्योकि पाकिस्तान जाने से इनकार करने वाले सभी शीर्ष खिलाड़ी तटस्थ स्थान पर खेलने को तैयार हैं।

भारतीय टीम की अगुवाई सुमित नागल और रामकुमार रामनाथन करेंगे जबकि लिएंडर पेस और जीवन नेदुचेझियान युगल खेलेंगे। रोहन बोपन्ना ने कंधे की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शार्लेट फ्लेयर ने बॉलीवुड सुपरस्टार वरुण से सीखा डांस

डब्ल्यूडब्ल्यूइ सुपरस्टार शार्लेट फ्लेयर इस समय भारत में तीन दिन के दौरे पर आई हुई हैं। उनके ये टूर 16 नवंबर को खत्म होगा। अपने टूर के शुरूआती दो दिन 'द क्वीन' मुंबई में थीं। इसके बाद वो अब बैंगलोर पहुंच चुकी हैं, जहां पर वो फैंस से मुलाकात करेंगी। अपने टूर के शुरूआती दौर में वो भारत के पैरालंपिक्स एथलीट्स से मिली थीं। इसके बाद वो बॉलीवुड के स्टार वरुण धवन से मिली। इस दौरान उन्होंने वरुण की आने वाली मूवी स्ट्रीट डांसर 3डी के गाने पर डांस भी किया। वरुण ने उनके साथ डांस के इस वीडियो को अपने ट्विटर पर शेयर किया था। वरुण धवन के वीडियो शेयर करने के बाद 'द क्वीन' ने उन्हें जवाब देते हुए कहा कि वो इसे डांस नहीं कहतीं, लेकिन उन्होंने कोशिश की। उन्होंने वरुण धवन को रेसलमेनिया में आने का इन्विटेशन भी दिया। गौरतलब है कि वरुण धवन डब्ल्यूडब्ल्यूइ के बहुत बड़े फैन हैं और वो इससे पहले ब्रॉन स्ट्रोमैन से भी मिल चुके हैं, जब वो भारत में आए थे। कुछ साल पहले दिल्ली में हुए डब्ल्यूडब्ल्यूइ लाइव इवेंट में भी वरुण नजर आए थे।

रणवीर की किन क्वालिटीज पर हुई फिदा

दीपिका पादुकोण ने खुद किया खुलासा

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पिछले साल नवंबर में शादी के बंधन में बंधे थे। उनके फैंस यह जानकर काफी खुश हुए थे जो कि शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यह ग्रैंड वेडिंग सेरिमनी इटली में हुई थी। शादी के फोटोज और विडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका ने रणवीर की उन क्वालिटीज का खुलासा किया जिनके कारण वह ऐक्टर से इम्प्रेस हो गईं। दीपिका ने बताया कि रणवीर सच्चे इंसान हैं और इसी वजह से वह उनसे प्रभावित हुईं। ऐक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह जब भी रणवीर के साथ होती हैं, वह बेहतरीन समय होता है। उन्होंने यह भी कहा कि रणवीर इमोशन्स को जाहिर करने में काफी अच्छे हैं और सच्चे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका और रणवीर दोनों डायरेक्टर कबीर सिंह की फिल्म '83' में नजर आएंगे। फिल्म में रणवीर पूर्व क्रिकेटर कपिल देव के रोल में तो दीपिका उनकी पत्नी रोमी के किरदार में होंगी।

परिणीति चोपड़ा ने बेस्ट फ्रेंड सानिया मिर्जा को किया बर्थडे विश

परिणीति चोपड़ा का मानना है कि टेनिस स्टार सानिया मिर्जा एक अच्छी इंसान हैं और उनके अंदर फरेब नहीं है। परिणीति ने इंस्टाग्राम पर सानिया मिर्जा को उनके 33वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनकी तारीफ की। सानिया के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए परिणीति ने लिखा, आई लव यू। मुझे आप इसलिए पसंद हैं, क्योंकि आप इस फरेबी दुनिया में एक सच्ची इंसान हैं। आप हमेशा जमीन से जुड़ी रहती हैं, आपके पास एक अच्छा दिल है, आप अकेले अपने दम पर ऊंचाइयों पर पहुंची हैं और आप काफी फनी भी हैं। मुझे आप इसलिए भी पसंद हैं, क्योंकि आपके सामने मुझे कुछ और बनने की जरूरत नहीं है। मैं आपको बहुत मिस कर रही हूं। मेरे जीवन में आने के लिए धन्यवाद! जन्मदिन मुबारक हो सानू! सानिया ने भी इसका जवाब देते हुए लिखा, मैं भी आपसे बहुत प्यार करती हूं। परिणीति के अलावा, हुमा कुरैशी, फराह खान और नेहा धूपिया ने भी सानिया को जन्मदिन की बधाई दी है।